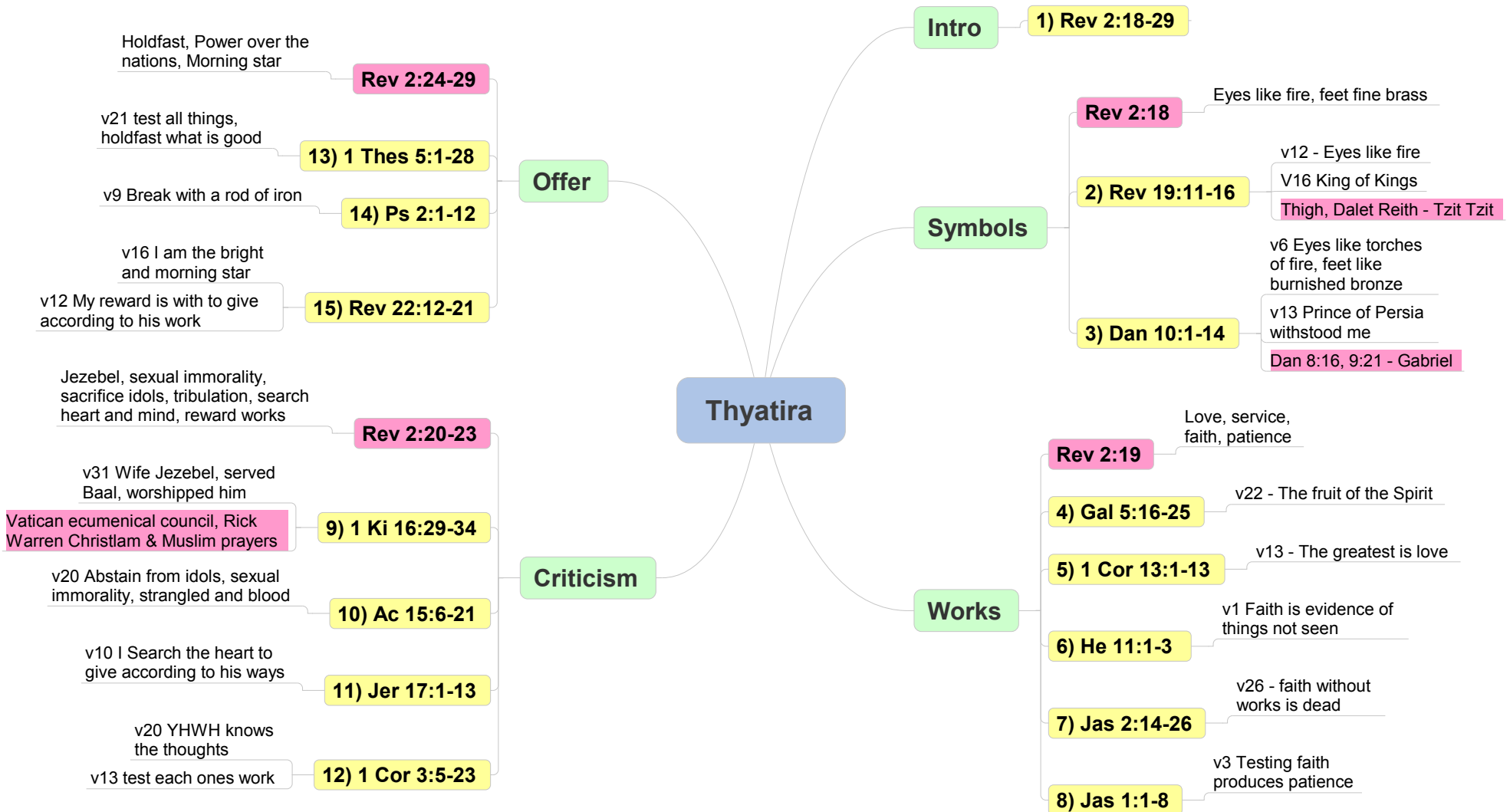
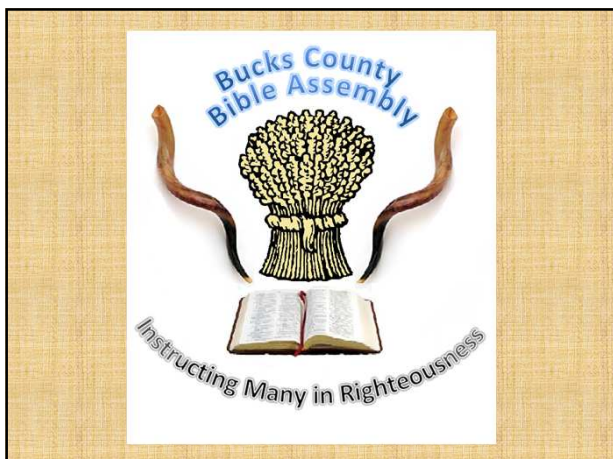


# Thyatira





---

---

---

---

---

---

---

---

**Sabbath Services  
22 November 2014**

**Thyatira**



---

---

---

---



---

---

---

---

**Revelation 2:18-29**



---

---

---

---

---

---

---

---

## Revelation 2:18-29

V18 - And unto the angel of the assembly in Thyatira write; **These things saith the Son of The Mighty One, who hath his eyes like unto a flame of fire, and his feet are like fine brass;**



---

---

---

---

---

---

---

---

## Revelation 19:11-16



---

---

---

---

---

---

---

---

## Revelation 19:11-16

V12 - **His eyes were as a flame of fire, and on his head were many crowns; and he had a name written, that no man knew, but he himself.**

V16 - And He hath on His vesture and on His thighs a name written, **KING OF KINGS, AND MASTER OF MASTERS.**



---

---

---

---

---

---

---

---

## Daniel 10:1-14



---

---

---

---

---

---

---

---

## Daniel 10:1-14

V6 - His body also was like the beryl, and his face as the appearance of lightning, and **his eyes as lamps of fire**, and his arms and his feet like in colour to polished brass, and the voice of his words like the voice of a multitude.

V13 - But the **prince of the kingdom of Persia withstood me one and twenty days: but, lo, Michael, one of the chief princes, came to help me; and I remained there with the kings of Persia.**



---

---

---

---

---

---

---

---

## Revelation 2:19

V19 - I know thy works, and charity, and service, and **faith, and thy patience, and thy works; and the last to be more than the first.**



---

---

---

---



---

---

---

---

**Galatians 5:16-25**



---

---

---

---

---



---

---

---

**Galatians 5:16-25**

V22-23 - But the fruit of the Spirit is love, joy, peace, longsuffering, gentleness, goodness, faith, meekness, temperance: against such there is no law.



---

---

---

---


---

---

---

---

**1 Corinthians 13:1-13**



---

---

---

---

---

---

---

---

# 1 Corinthians 13:1-13

V13 - And now abide faith, hope, love, these three;  
but the greatest of these is love. (NKJV)



---

---

---

---

---

---

---

---

# Hebrews 11:1-3



---

---

---

---

---

---

---

---

# Hebrews 11:1-3

V1 - Now faith is the substance of things hoped for,  
the evidence of things not seen.



---

---

---

---



---

---

---

---

**James 2:14-26**



---

---

---

---

---



---

---

---

**James 2:14-26**

V26 - For as the body without the spirit is dead, so faith without works is dead also.



---

---

---

---



---

---

---

---

**James 1:1-8**



---

---

---

---

---

---

---

---

## James 1:1-8

V3 - Knowing this, that the trying of your faith worketh patience.



---

---

---

---

---

---

---

---

## Revelation 2:20-23

V20-23 - Notwithstanding I have a few things against thee, because thou sufferest that woman Jezebel, which calleth herself a prophetess, to teach and to seduce my servants to commit fornication, and to eat things sacrificed unto idols. And I gave her space to repent of her fornication; and she repented not. Behold, I will cast her into a coffin, and them that commit adultery with her into great tribulation, except they repent of their deeds. And I will kill her children with death; and all the assemblies shall know that I am He which searcheth the reins and hearts: and I will give unto every one of you according to your works.



---

---

---

---

---

---

---

---

## 1 Kings 16:29-34



---

---

---

---

---

---

---

---



## 1 Kings 16:29-34

V31 - And it came to pass, as if it had been a light thing for him to walk in the sins of Jeroboam the son of Nebat, that **he took to wife Jezebel the daughter of Ethbaal king of the Zidonians, and went and served Baal, and worshipped him.**



---

---

---

---

---

---

---

---

## Acts 15:6-21



---

---

---

---

---

---

---

---

## Acts 15:6-21

V20 - But that we write unto them, that they abstain from pollutions of idols, and from fornication, and from things strangled, and from blood.



---

---

---

---

---

---

---

---

**Jeremiah 17:1-13**



---

---

---

---

---



---

---

---

**Jeremiah 17:1-13**

V10 - I **YHWH** search the heart, I try the reins, even to give every man according to his ways, and according to the fruit of his doings.



---

---

---

---


---

---

---

---

**1 Corinthians 3:5-23**



---

---

---

---

---

---

---

---

## 1 Corinthians 3:5-23

V20 - And again, **YHWH** knoweth the thoughts of the wise, that they are vain.

V13 - Every man's work shall be made manifest: for the day shall declare it, because it shall be revealed by fire; and the fire shall try every man's work of what sort it is.



---

---

---

---

---

---

---

---

## Revelation 2:24-29

V24-29 - But unto you I say, and unto the rest in Thyatira, as many as have not this doctrine, and which have not known the depths of Satan, as they speak; I will put upon you none other burden. But that which ye have already hold fast till I come. And he that overcometh, and keepeth my works unto the end, to him will I give power over the nations: And he shall rule them with a rod of iron; as the vessels of a potter shall they be broken to shivers: even as I received of my Father. And I will give him the morning star.

He that hath an ear, let him hear what the Spirit saith unto the assemblies.



---

---

---

---

---

---

---

---

## 1 Thessalonians 5:1-28



---

---

---

---

---

---

---

---

# 1 Thessalonians 5:1-28

V21 - Prove all things; hold fast that which is good.



---

---

---

---

---

---

---

---

# Psalm 2:1-12



---

---

---

---

---

---

---

---

# Psalm 2:1-12

V9 - Thou shalt break them with a rod of iron; thou shalt dash them in pieces like a potter's vessel.



---

---

---

---

---

---

---

---

## Revelation 22:12-21



---

---

---

---

---

---

---

---

## Revelation 22:12-21

V16 - I Y'HoWShUA have sent mine angel to testify unto you these things in the assemblies. I am the root and the offspring of David, and the bright and morning star.

V12 - And, behold, I come quickly; and My reward is with Me, to give every man according as his work shall be.



---

---

---

---

---

---

---

---

## Next Message

**Seven Assemblies of Asia Minor - Sardis**

**Services Start at 1:30 pm**



---

---

---

---

---

---

---

---